तेरी गाऊँ ऐ सतगुरू महिमा मै क्या भजन

तेरी गाऊँ ऐ सतगुरू,
महिमा मै क्या,
मै हूँ भटका हुआ,
एक दास तेरा,
कुछ कहूँ है कहाँ,
ये मजाल मेरी,
महिमा है सतगुरू,
बेमिशाल तेरी।**bd**।

तर्ज – खुश रहे तू सदा ये दुआ।

हर तरफ हर जगह,
सतगुरू रुतबा तेरा,हो..
हर डगर हर नज़र,
मे है जलवा तेरा,
महिमा गाऊँ मै क्या,
दीन दयाल तेरी,
कुछ कहूँ है कहाँ,
ये मजाल मेरी,
महिमा है सतगुरू,
बेमिशाल तेरी।**bd**।

तुमने करके क़रम,
मुझको तन ये दिया,हो..
उसपे करके दया मुझको,
शरण ले लिया,
हो गई जिदँगी,
ये निहाल मेरी,
कुछ कहूँ है कहाँ,
ये मजाल मेरी,
महिमा है सतगुरू,
बेमिशाल तेरी।**bd**।

रँग दो मेरी चुनर,
अपने रँग मे प्रभू.हो..,
आ के बस जाओ मेरे,
मन के मीत प्रभू,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कर दो चूनर मेरी,
लालो लाल प्रभू,
कुछ कहूँ है कहाँ,
ये मजाल मेरी,
महिमा है सतगुरू,
बेमिशाल तेरी।bd।

तेरी गाऊँ ऐ सतगुरू,
महिमा मै क्या,
मै हूँ भटका हुआ,
एक दास तेरा,
कुछ कहूँ है कहाँ,
ये मजाल मेरी,
महिमा है सतगुरू,
बेमिशाल तेरी।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com